

中国古典文化精华

大学

大学之道，在明明德，  
在亲民，在止于至善。



最新版

易经  
(八八六十四卦)

周易八卦乃我国预  
测科学之精华千古  
诸贤之智慧结晶。

原著 / 春秋 孔丘等

作家出版社



# 四书五经

古典珍藏本



诗经

关关雎鸠，在河之洲。  
窈窕淑女，君子好逑。  
参差荇菜，左右流之。  
窈窕淑女，寤寐求之。  
求之不得，寤寐思服。



论语

子曰：学而时习之，  
不亦说乎？  
有朋自远方来，不亦乐乎？  
人不知而不愠，不亦君子乎？

左传

郑伯克段于鄢  
初，郑武公娶于申，  
曰武姜。生庄公及共叔段。  
庄公寤生，惊姜氏，  
故名曰寤生，遂恶之。  
爱共叔段，欲立之。  
亟请于武公，公弗许。  
及庄公即位，为之请制。



中 国 古 典 文 化

精 华 1420875

张序B  
106

古  
典  
珍  
藏  
本



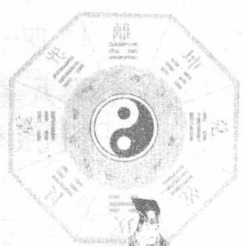
# 四书五经

原著 / 春秋 孔丘等

作家出版社

大学之道，在明明德，在亲民，在止于至善。

大学



最  
新  
版

易经 (八八六十四卦)  
周易八卦分我预测  
测科学之神秘千古  
请君之智慧结晶

诗经  
关关雎鸠，在河之洲。  
窈窕淑女，君子好逑。  
参差荇菜，左右流之。  
窈窕淑女，寤寐求之。  
求之不得，寤寐思服。



左传  
郑伯克段于鄢  
初，郑武公娶于申，曰武姜。生庄公及共叔段。庄公寤生，惊姜氏，故名曰寤生，遂恶之。爱共叔段，欲立之。亟请于武公，公弗许。及庄公即位，为之请制。

论语

子曰：学而时习之，不亦说乎？有朋自远方来，不亦乐乎？人不知而不愠，不亦君子乎？



贵阳学院图书馆



GYXY1420875



## 图书在版编目(CIP)数据

四书五经 / (春秋) 孔丘 等著. —北京: 作家出版社,  
2007.1

ISBN 7-80550-385-0

I. 四… II. 孔… III. 儒家—经籍—注释

IV. E 892.25

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2007) 第 093281 号

## 四书五经

---

原 著: (春秋) 孔丘

责任编辑: 张 勇

出版发行: 作家出版社

地 址: 北京农展馆南里 10 号 (100026)

经 销: 全国新华书店

印 刷: 北京市兆成印刷有限公司

开 本: 880×1230 毫米 1/32

本册印张: 19

本册字数: 900 千字

版 次: 2007 年 1 月第 1 版

印 次: 2007 年 1 月第 1 次印刷

印 数: 001—15000

书 号: ISBN 7-80550-385-0/K·013

定 价: 32.80 元

---





## 前言

“四书”是中国古代儒家奉为经典的《大学》、《中庸》、《论语》、《孟子》四部著作的合称，亦称“四子”、“四子书”。

儒家的经书，孔子之前有六部，即《诗》、《书》、《易》、《礼》、《春秋》和《乐》，其中《乐》经失传于战国时代。因此汉武帝立经学博士，只有“五经”的名目。宋代以前，《礼记》、《论语》已被尊为经典；而在较长的时间内，《孟子》隐于诸子之林，在儒学中的地位是不高的。自唐代韩愈最先推崇《礼记》中的《大学》篇，李翱又特别表彰《礼记》中的《中庸》篇，二者遂为世人所重。宋代理学家开始重视《孟子》，致使这部“子书”突然显赫起来。统治阶级便从《礼记》中抽出《大学》、《中庸》两篇，与《论语》、《孟子》并提，给予与“六经”等同的地位。南宋淳熙年间，朱熹将这四部著作分别逐章断句，加以注释，撰成《四书章句集注》，从此“四书”之名称开始流行。

“五经”是指《诗经》、《尚书》、《礼记》、《周易》、《春秋》、这五部著作。

《诗经》成书于先秦时期的周朝至春秋时代，它收集了来自民间及宫廷的各种体裁的诗篇，据说这些诗篇都曾配上乐曲为天子演唱，是我国最早的诗歌总集。《尚书》记载了距今四千年至两千年间的虞、夏、商、周的史实，是我国最早的政事史料汇编。其中《尧典》，《皋陶谟》等因其成书于周代而得名。《周易》不仅集中了当时人们所积累的许多生活体验与人生经验，在思维方式上也具有相当的逻辑性，所以被认为是我国最早、最为完善的哲理典籍。《礼记》所记载的是先秦时期社会道德准则与人际交往礼仪模式，既有理论的阐述，又有礼节仪式的具体操演程序，故能使人得到较为具体的印象。《春秋》则是我国最早的一部完整、详备的编年史。“五经”各书从文学、历史、哲学等角度反映了我国古代文化典籍的最高水平。

《四书五经》是中国古代最重要、最权威的典籍，它们构成了中国传统文化的基本框架和中华文明的精神基础。

编者

2004年8月

1

中国古典文化精华





## 目 录

|              |      |
|--------------|------|
| 大学 .....     | (1)  |
| 中庸 .....     | (9)  |
| 论语 .....     | (21) |
| 学而第一 .....   | (22) |
| 为政第二 .....   | (25) |
| 八佾第三 .....   | (27) |
| 里仁第四 .....   | (28) |
| 公冶长第五 .....  | (31) |
| 雍也第六 .....   | (33) |
| 述而第七 .....   | (36) |
| 泰伯第八 .....   | (39) |
| 子罕第九 .....   | (41) |
| 乡党第十 .....   | (44) |
| 先进第十一 .....  | (45) |
| 颜渊第十二 .....  | (49) |
| 子路第十三 .....  | (51) |
| 宪问第十四 .....  | (54) |
| 卫灵公第十五 ..... | (58) |
| 季氏第十六 .....  | (63) |
| 阳货第十七 .....  | (67) |
| 微子第十八 .....  | (71) |





## 四书五经

子张第十九 ..... (73)

尧曰第二十 ..... (77)

**孟子** ..... (79)

梁惠王上 ..... (80)

梁惠王下 ..... (88)

公孙丑上 ..... (92)

公孙丑下 ..... (101)

滕文公上 ..... (105)

滕文公下 ..... (108)

离娄上 ..... (113)

离娄下 ..... (119)

万章上 ..... (123)

万章下 ..... (126)

告子上 ..... (129)

告子下 ..... (135)

尽心上 ..... (139)

尽心下 ..... (143)

**易经** ..... (147)

乾文言 ..... (148)

坤文言 ..... (152)

乾卦 ..... (154)

坤卦 ..... (155)

屯卦 ..... (156)

蒙卦 ..... (156)

需卦 ..... (157)

讼卦 ..... (157)

师卦 ..... (158)



|           |       |
|-----------|-------|
| 比卦 .....  | (158) |
| 小畜卦 ..... | (159) |
| 履卦 .....  | (159) |
| 泰卦 .....  | (160) |
| 否卦 .....  | (160) |
| 同人卦 ..... | (161) |
| 大有卦 ..... | (161) |
| 谦卦 .....  | (162) |
| 豫卦 .....  | (163) |
| 随卦 .....  | (163) |
| 蛊卦 .....  | (164) |
| 临卦 .....  | (164) |
| 观卦 .....  | (165) |
| 噬嗑卦 ..... | (165) |
| 贲卦 .....  | (166) |
| 剥卦 .....  | (166) |
| 复卦 .....  | (167) |
| 无妄卦 ..... | (167) |
| 大畜卦 ..... | (168) |
| 颐卦 .....  | (168) |
| 大过卦 ..... | (169) |
| 坎卦 .....  | (169) |
| 离卦 .....  | (170) |
| 咸卦 .....  | (170) |
| 恒卦 .....  | (171) |
| 遁卦 .....  | (172) |
| 大壮卦 ..... | (172) |
| 晋卦 .....  | (173) |
| 明夷卦 ..... | (173) |



|          |       |
|----------|-------|
| 家人卦..... | (174) |
| 睽卦.....  | (174) |
| 蹇卦.....  | (175) |
| 解卦.....  | (176) |
| 损卦.....  | (176) |
| 益卦.....  | (177) |
| 夬卦.....  | (178) |
| 姤卦.....  | (179) |
| 萃卦.....  | (179) |
| 升卦.....  | (180) |
| 困卦.....  | (181) |
| 井卦.....  | (181) |
| 革卦.....  | (182) |
| 鼎卦.....  | (182) |
| 震卦.....  | (183) |
| 艮卦.....  | (183) |
| 渐卦.....  | (184) |
| 归妹卦..... | (185) |
| 丰卦.....  | (185) |
| 旅卦.....  | (186) |
| 巽卦.....  | (186) |
| 兑卦.....  | (187) |
| 涣卦.....  | (187) |
| 节卦.....  | (188) |
| 中孚卦..... | (189) |
| 小过卦..... | (190) |
| 既济卦..... | (190) |
| 未济卦..... | (191) |
| 系辞上..... | (192) |



|            |       |
|------------|-------|
| 第一章 .....  | (192) |
| 第二章 .....  | (193) |
| 第三章 .....  | (194) |
| 第四章 .....  | (194) |
| 第五章 .....  | (195) |
| 第六章 .....  | (196) |
| 第七章 .....  | (196) |
| 第八章 .....  | (197) |
| 第九章 .....  | (200) |
| 第十章 .....  | (202) |
| 第十一章 ..... | (203) |
| 第十二章 ..... | (205) |
| 系辞下 .....  | (206) |
| 第一章 .....  | (206) |
| 第二章 .....  | (207) |
| 第三章 .....  | (209) |
| 第四章 .....  | (210) |
| 第五章 .....  | (210) |
| 第六章 .....  | (214) |
| 第七章 .....  | (215) |
| 第八章 .....  | (216) |
| 第九章 .....  | (217) |
| 第十章 .....  | (218) |
| 第十一章 ..... | (218) |
| 第十二章 ..... | (219) |
| 说卦 .....   | (220) |
| 第一章 .....  | (220) |
| 第二章 .....  | (221) |
| 第三章 .....  | (221) |



## 四书五经

|                 |       |
|-----------------|-------|
| 第四章 .....       | (221) |
| 第五章 .....       | (222) |
| 第六章 .....       | (223) |
| 第七章 .....       | (223) |
| 第八章 .....       | (224) |
| 第九章 .....       | (224) |
| 第十章 .....       | (224) |
| 第十一章 .....      | (225) |
| 序卦 .....        | (229) |
| 上经 .....        | (229) |
| 杂卦 .....        | (232) |
| <b>礼记</b> ..... | (235) |
| 曲礼上 .....       | (236) |
| 檀弓上 .....       | (238) |
| 檀弓下 .....       | (243) |
| 王制 .....        | (247) |
| 礼运 .....        | (249) |
| 礼器 .....        | (252) |
| 学记 .....        | (253) |
| 乐记 .....        | (260) |
| 杂记下 .....       | (268) |
| 祭法 .....        | (269) |
| 祭义 .....        | (270) |
| 祭统 .....        | (270) |
| 经解 .....        | (272) |
| 哀公问 .....       | (274) |
| 仲尼燕居 .....      | (276) |
| 孔子闲居 .....      | (278) |



|                 |       |
|-----------------|-------|
| 坊记 .....        | (280) |
| 表記 .....        | (281) |
| 缙衣 .....        | (283) |
| 三年问 .....       | (288) |
| 儒行 .....        | (288) |
| 冠义 .....        | (293) |
| 昏义 .....        | (293) |
| 射义 .....        | (295) |
| 聘义 .....        | (295) |
| 丧服四制 .....      | (298) |
| <b>尚书</b> ..... | (299) |
| 大禹谟 .....       | (300) |
| 皋陶谟 .....       | (304) |
| 益稷 .....        | (307) |
| 甘誓 .....        | (310) |
| 汤誓 .....        | (311) |
| 伊训 .....        | (311) |
| 说命上 .....       | (313) |
| 说命中 .....       | (314) |
| 说命下 .....       | (315) |
| 牧誓 .....        | (317) |
| 洪范 .....        | (318) |
| 旅獒 .....        | (323) |
| 金縢 .....        | (324) |
| 康诰 .....        | (326) |
| 无逸 .....        | (330) |
| 周官 .....        | (332) |
| 顾命 .....        | (334) |



## 四书五经

秦誓 ..... (337)

诗经 ..... (339)

关雎 ..... (340)

卷耳 ..... (341)

桃夭 ..... (342)

芣苢 ..... (343)

汉广 ..... (343)

行露 ..... (344)

標有梅 ..... (345)

野有死麕 ..... (346)

击鼓 ..... (347)

谷风 ..... (348)

北门 ..... (350)

8 静女 ..... (350)

柏舟 ..... (351)

墙有茨 ..... (352)

桑中 ..... (353)

相鼠 ..... (353)

载驰 ..... (354)

硕人 ..... (355)

氓 ..... (356)

伯兮 ..... (359)

木瓜 ..... (360)

黍离 ..... (360)

君子于役 ..... (361)

扬之水 ..... (362)

采葛 ..... (362)

将仲子 ..... (363)



|            |       |
|------------|-------|
| 大叔于田 ..... | (364) |
| 女曰鸡鸣 ..... | (365) |
| 风雨 .....   | (366) |
| 子衿 .....   | (367) |
| 野有蔓草 ..... | (367) |
| 溱洧 .....   | (368) |
| 鸡鸣 .....   | (369) |
| 东方未明 ..... | (370) |
| 园有桃 .....  | (370) |
| 陟岵 .....   | (371) |
| 伐檀 .....   | (372) |
| 硕鼠 .....   | (374) |
| 蟋蟀 .....   | (374) |
| 绸缪 .....   | (375) |
| 鸛羽 .....   | (376) |
| 葛生 .....   | (377) |
| 采芣 .....   | (378) |
| 蒹葭 .....   | (379) |
| 黄鸟 .....   | (380) |
| 无衣 .....   | (381) |
| 东门之粉 ..... | (382) |
| 月出 .....   | (382) |
| 隰有苓楚 ..... | (383) |
| 候人 .....   | (384) |
| 七月 .....   | (385) |
| 东山 .....   | (388) |
| 鹿鸣 .....   | (390) |
| 采薇 .....   | (391) |
| 节南山 .....  | (392) |





|                 |       |
|-----------------|-------|
| 十月之交 .....      | (394) |
| 小弁 .....        | (396) |
| 巧言 .....        | (398) |
| 蓼莪 .....        | (400) |
| 大东 .....        | (401) |
| 北山 .....        | (403) |
| 大田 .....        | (404) |
| 宾之初筵 .....      | (406) |
| 蓍之华 .....       | (408) |
| 大明 .....        | (408) |
| 绵 .....         | (410) |
| 生民 .....        | (412) |
| 公刘 .....        | (415) |
| 载芟 .....        | (417) |
| 良耜 .....        | (418) |
| 桓 .....         | (419) |
| 阍宫 .....        | (419) |
| 玄鸟 .....        | (422) |
| <b>左传</b> ..... | (423) |
| 郑伯克段于鄢 .....    | (424) |
| 卫石碻大义灭亲 .....   | (427) |
| 郑庄公戒飭守臣 .....   | (429) |
| 季梁谏追楚师 .....    | (431) |
| 齐桓公霸业 .....     | (433) |
| 曹刿论战 .....      | (439) |
| 晋文公霸业 .....     | (441) |
| 宫之奇谏假道 .....    | (456) |
| 秦晋韩之战 .....     | (458) |